>

Title: Regarding National Policy on Fisheries.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले धन्यवाद दूंगा कि देश के करोड़ों मछुआरों के हित के लिए पहली बार केंद्र सरकार ने स्वतंत्र फिशरीज विभाग का निर्माण किया है। मेरी मांग है कि फिशरीज विभाग के माध्यम से देश में रहने वाले करोड़ों मछुआरों के हित के लिए स्वतंत्र और नई फिशिंग पालिसी का निर्माण जल्द से जल्द करना चाहिए। हमारे देश में कई करोड़ मछुआरे पूर्वी और पश्चिमी समुद्र में अपना व्यापार करते हैं और अपना अच्छा जीवन व्यतीत करने का काम करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से महाराष्ट्र हो, गुजरात हो, कर्नाटक हो या तमिलनाडु हो, पूर्वी भारत की तरफ कोलकाता हो या अन्य राज्य हों, इन राज्यों में रहने वाले जो भी मछुआरे हैं, उनके लिए कोई भी सही नीति अभी तक नहीं अपनाई गई है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नीति होने की वजह से चाहे वे पारम्परिक मछुआरे हों या ट्रॉलर वाले मछुआरे हों या अन्य मछुआरे हों, इन्हें व्यापार करने के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

मेरी सरकार से मांग है कि पारम्परिक मछुआरों के साथ-साथ ट्रॉलर वाले मछुआरों और अन्य मछुआरों के लिए भी सही नीति बनाने की जरूरत है। स्वतंत्र फिशरीज विभाग के निर्माण होने के बाद समुद्र तटीय क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और मछुआरों के साथ चर्चा करके जल्दी से जल्दी नई फिशिंग पॉलिसी तैयार करें, जिससे कि मछुआरों को ब्लु रेवोल्यूशन का पूरा फायदा मिल सके।

HON. DEPUTY SPEAKER: Dr. A. Sampath, Prof. Richard Hay, Shri Sharad Tripathi, Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Arvind Sawant, Shri Gajanan Kirtikar and Dr. Shrikant Eknath Shinde are permitted to associate with the issue raised by Shri Vinayak Bhaurao Raut.